हिंदी सामूहिक कविता पाठ

हम कक्षा 3 अ के विद्यार्थी आप सभी के समक्ष एक कविता प्रस्तुत करने जा रहे हैं| जो हमारे गाँव की सुंदरता को अनोखे रूप में प्रस्तुत करने जा रहा है जिसके कवि हैं विष्णु देव कुमार जी| और कविता का शीर्षक है- मेरे गाँव

आना मेरे गाँव में।
नदी किनारे गाँव है मेरा,
बैठ के आना नाव में।
गाड़ी - मोटर भी चलती हैं।
अब पूरी रफ्तार में,
हाँ पूरी रफ्तार में।

आना मेरे गाँव में।
चुन्नू, मुन्नू, मुनिया खेलें,
अमराई की छाँव में।
सभी लोग मिलकर रहते हैं
रहें नहीं अलगाव में,
रहें नहीं अलगाव में।

आना मेरे गाँव में।
यहाँ न कोई हाट, सिनेमा
घूमें खेत बगान में।
जब जाते हैं खेत घूमने,
मिट्टी लगती पाँव में।

भीड़-भाड़ और शोर-शराबा,
होता कहीं न गाँव में।
मचती उस दिन धमाचौकड़ी,
मेला हो जब गाँव में।

जब भी लगे गाँव में मेला,
आना मेरे गाँव में।
आना मेरे गाँव में साथी,
आना मेरे गाँव में साथी|

धन्यवाद!

	Daly College Junior School ,Indore **हिंदी - सामूहिक कविता पाठ**

नमस्ते , हम कक्षा तीन 'ब' के बच्चे आप सब के सामने एक कविता प्रस्तुत करने जा रहे हैं जिसका शीर्षक है - 'फुलवारी' जिसमे तरह - तरह के फूलों के बारे में बताया गया है |

रंग बिरंगे फूलों से है,

महक रही यह फुलवारी |

मंद पवन के झोंकों से है,

झूल रही यह फुलवारी |

जूही, चंपा यहाँ खिले हैं,

महके बेला की क्यारी |

श्वेत गुलाबों लाल कमल की,

अपनी ही शोभा न्यारी |

नाच दिखाती उड़ें तितलियाँ,

करतीं मीठे रस का पान |

भँवरे भी गुन- गुन- गुन करके,

यहाँ सुनाते अपना गान |

अपनी खुशबू रंग रूप का,

इसको नहीं तनिक अभिमान |

सबके मन को हर्षित कर दें,

समझें इसमें अपना मान |

हम बच्चे भी फूलों जैसे,

खिलें, हँसें और मुस्काएँ |

अपनी भीनी सी सुगन्ध से,

जग की फुलवारी महकाएँ |

धन्यवाद

DC EDUCATION SINCE 1870	**Daly College Junior School ,Indore** **हिंदी- सामूहिक कविता पाठ**

नमस्ते , हम कक्षा तीन 'स' के बच्चे आप सब के सामने एक कविता प्रस्तुत करने जा रहे हैं जिसका शीर्षक है - "बया हमारी चिड़िया रानी" इस कविता की कवित्री हैं 'महादेवी वर्मा'

तिनके लाकर महल बनाती,

ऊँची डाली पर लटकाती,

खेतों से फिर दाना लाती,

नदियों से भर लाती पानी –- बया हमारी चिड़िया रानी

तुझको दूर ना जाने देंगे,

दानों से आँगन भर देंगे,

और हौज में भर देंगे हम,

मीठा- मीठा ठंडा पानी

बया हमारी चिड़िया रानी |

फिर अंडे सेयेगी जब तू,

निकलेंगे नन्हे बच्चे तब,

हम आकर बारी बारी से,

कर लेंगे उनकी निगरानी – बया हमारी चिड़िया रानी |

फिर जब उनके पर निकलेंगे,

उड़ जाएँगे बया बनेंगे,

हम तब तेरे पास रहेंगे,

तू मत रोना चिड़िया रानी,

तू मत रोना चिड़िया रानी – बया हमारी चिड़िया रानी |

धन्यवाद

The Daly College, Jr. School

हिंदी - सामूहिक कविता पाठ

हम कक्षा 3 द के विद्यार्थी आप सभी के समक्ष एक कविता प्रस्तुत करने जा रहे हैं| कविता का शीर्षक है- **मामा अपनी छुट्टी समझो** और इसके कवि है- सुरेंद्र विक्रम

मामा अपनी छुट्टी समझो

चलो-चलो, अब बहुत हो चुका
वही पुराना वादा कोरा,
चंदा मामा, कहो कहाँ है
दूध-भात का भरा कटोरा!
बचपन में जब हम भी रोए
दादी थी बहलाया करती,
हाथ उठाकर आसमान में
तुमसे बात कराया करती।
तुमसे बात कराया करती।

कहतीं-जब चुप हो जाओगे
तब आएँगे चंदा मामा,
दूध-भात का भरा कटोरा,
तब लाएँगे चंदा मामा।
दादी जी की बात मानकर,
हम सब चुप हो जाया करते
हमें याद है बहुत दूर से
मामा, तुम बहलाया करते।
मामा, तुम बहलाया करते।

प्यारे-प्यारे चंदा मामा
नहीं चलेगा एक बहाना,
नहीं चलेगा एक बहाना,

दूध-भात का भरा कटोरा
लिए हाथ में जल्दी आना-
जल्दी आना।
अगर नहीं तुम जल्दी आए
कल से अपनी छुट्टी समझो,
कभी नहीं हम बात करेंगे
मामा अपनी कट्टी समझो
मामा अपनी कट्टी समझो!

धन्यवाद!